

DPN 5406

Title: तन्त्र मन्त्र TANTRA MANTRA

Run. No. 6097

Cat. No.

Micro. No.

Subject Tantra / mantra
तन्त्र / मन्त्र

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 21 x 6.5

Folios 7 + 3 + 1 Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus.: Diagrams of yantra

Material: palmleaf / paper / thiyasaphu / yellow

mantra monogram

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon: Blood stain

4th part of term 2218051

P. Celophans:-

एव मन्त्रा प्रपाव, पूर्वस्वरं विष, पश्चिम स्वरं काया व पाथ, मिसं
हाक्या उल्लभ्य ॥ ॥

इति श्री योगिनी तन्त्र संपूर्ण समाप्त ॥ शुभ ॥

॥ एव धूप वण्ड, न्वातकरा, रानी वण्ड जुष्ट ॥

एव जन्म भुजपत्रस्य कपव लीवण चौदणं मिषक्य मृषिनि याः चौदणं
नाम पुंथ इथपक्व सपुंथजलाये वासु वक्त्र कथके ॥ एव नि काराव
एव न चौपकं दीप जेयके ॥

ॐ नमः २ चारिकार्ये ॥ सिद्धिगुरु आना ॥ चन्द्र, सूर्य ग्राह नक्कल
मणि, मोक्ष मञ्जु लोले, की मन्त्रागो सिद्धि जुषिव ॥ ॥

Remark -

contains these Heron mantras topics

- | | | |
|----------------|-----------------|--------------------------|
| i) मन्त्र कर्म | ii) मन्त्र कर्म | iii) धनुनाह आयेया मन्त्र |
| iv) नाग द्रोदम | v) उपवृष्ट | vi) धनु ह्रीं ए वृ |

15

10

5

0

CM

5

10

20

25

30

35



ॐ ० दवमा
० कुं माता २
य २ ॥ धननामा ॥



ॐ नमः ॥ अलि काये ॥
ततो गुरु मा वल कर्म कर्म
॥ सा सखि न व स य ता व ग
न के स नि य न स स नान
न व स गुरु य न के दा
य ल गे नु स स म त न दा
म या य न्या म या य ॥ २ ॥

ॐ नमः ॥ अलि काये ॥ सिद्धि गु वृक्षा ॥ वरु सूर्य ग स न क दा स न ति मा क म श
ता ल च्छा म नु न सिद्धि श यि व ॥ ॥ पु थ म उ य नु क र्म द्वी ति य म नु क र्म न ॥ ह ती यै ग
क ना ग थ व उ र्ध्व ना ग का द न ॥ प थ म उ प का व थ म थ म थ ॥ सु ग रु द न क स थ म
वै व अ क्त म मो ष धी त था ॥ ० ॥ अ थ म नु क र्म स मा व त ता ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॥ थ व र्ही व ॥ ग म्भा व न व ॥ उ ज य र स वा पा व ॥ जा प या य ॥ १०८ ॥ थ व न दा न सु व
सु थ व र्ही व ता ॥ १ ॥ ध न न्या म या य ॥ ॐ ॐ सु र ह ॥ ह य या ॥ द वा वी ज ना नि खा रु म

॥ निवस ॥ ॐ नाहस ॥ ॐ गिरवा ॥ रुद्र जम्बू ॥ धनमूला कन ॥ थव ० ० दवतास
कवत रु न मात्ता ॥ ॐ ऊँ ऊँ ऊँ ० ० ॥ थवहीन नाम वायावं सनावन काय सी ०
यूकान हिदुग ॥ धमहात्र पात्री याना म वायाव जाय याय १०८ ॥ आका र्ष समनु
॥ २ ॥ ऊँ ऊँ ऊँ सां देव दर्शन ड्डे सु ॥ ॥ रुद्र जम्बू थवहीन धमकुचाय लेख
थहाह काया थाय स पूरुत ध्यादवन रुद्र जम्बू काय सीत क्षप दीय पषा
दयकी यूजायाय क्रिध वलिविय धगरुक्रियादन दिन पूर्ण धन ई विनिवस ॥

[illegible][illegible]

CM

5

10

20

25

30

3

ग्वनइ॥ उलिहागयाह॥ धूपकवकी॥ विक्रमनाग॥ ॥ कथनमूनिवावा
पाय॥ ददववया॥ कथनधकया॥ ॥ वद्यायादाक॥ सधू॥ साहार्न॥ ॥ द्याः
न॥ वकनषूह॥ धनग्या॥ समर्दनयाह॥ ग्या॥ शकया॥ ॥ हि॥ व॥ नका
निम्ब॥ विष्मि॥ धनकूपथ॥ अहिवावनाग॥ नाममवाकया॥ वावक॥ ॥
सधू॥ द्यावसवावाव॥ मार्गसथ॥ पिहावानमजि॥ वया॥ ॥ सिघाटक॥ मनवः
पिपति॥ ॐ॥ यमूनि॥ सानध॥ रुक॥ रुकजिनि॥ स्ववासदिवागन्धक॥ वूवावः

कननवालाव॥ दानक॥ धवाग्रजयनयमकुध॥ उं डी नामिनागन्धकीपाना॥
 तिनघत्रिसत्रिपानास्वाहा॥ ॥ धमकुपनपान॥ पूर्वस्यैविय॥ पक्किमसु
 स्यैकायावपाय॥ मिसैहावया डलम॥ ॥ सिद्धि गुनूआइ॥ जूककलामेस
 गहंउलिमेस॥ ३ अम्वनवूनकतावा॥ धतनापनयाव॥ वा॥ ३ धतपाव
 हाव॥ सुधवतकि कैरुय॥ मिसैहावया डलमनहि॥ कसकूनयावरव॥ ॥ ७ मस
 धाव॥ गायकूयानति॥ अंवातकूयानति॥ विषययन॥ कमुनि॥ धतहाग॥ ३

हियाहाव॥ आदूगवइक॥ कतायागुवा॥ ए धतनापनयाव॥ वूननहाय
 मिसैहावया॥ डलमनहि॥ ॥ ००० तियागिनितकु॥ या॥ समरुनागयाडाषधि
 समाफ॥ ० ॥ तताकाउवाय॥ सैवातिउि पु३ डाषधी॥ सुगुनूवामेस॥ १० गकि
 रुवदाहामेस॥ १० तालिसमेस॥ १० रुत्रिवापमेस॥ १० डासनताककनस्यै॥ वद्याया
 दाकनवासीरिस्यै॥ वषे१ थंकोयाव॥ धांसनकूककात॥ पाक॥ शयिवश
 ना॥ १ ॥ सामसितितिमेस॥ ३२ डाषधी॥ सुगुनूवा॥ नादकि॥ कठकीहा॥ महानरु॥

रुविद्यषः श्वतडासनकि किगानमसुअ ताककेनयाव॥ धरि सीतमास ३
 पकायाव॥ श्वडासनकृदकाल पाक शयिवशना॥ २॥ यदातिता
 ना॥ ३ डाषधी रुकुनवागना वापत्यरुताना रुविद्यषमसु ८ मारुवठिताना
 लकिरुनराताना श्वतडासनताककेनयाव॥ मसुयाहीपविसईधरुः
 सखिनपकाव॥ मसकासीकाय॥ शयिवशना॥ ३॥ यु३ सात्रतामुः
 गामरुसरिय॥ ताता ३ रुविद्यषः कतानाया १२ नवसाड॥ ताता निनाथः

ति॥ ताता ननवागश्वक॥ मसु ३ समुवषान॥ ताता १२ सा हागा॥ श्वततायका
 यरुस॥ पतिकपतिकयाक॥ पाठवसी॥ गामरुसरि सीत॥ मास ३ दतडाव॥ थं
 कायाव॥ तातासमसु १ लंकुनिव॥ श्वतडासनकृदकालनाव॥ शयिवशना
 ना॥ ७॥ सिजवपति॥ गामरुसरि सीत॥ मास ३ दतडाव॥ थकायाव॥ तातास
 मस ३ रुविद्यष॥ मस १ काषयाकैजसषायकापाश्वानकृदकालनाव॥ शयिव
 शना॥ ३॥ लूमस ३ साहि डाहामस ३ नार्यकालाव॥ मस ३ रुगकावकः

16.

10

ら

0

10

25

30

3

15

10

5

0

CM

5

10

20

25

30

35

१. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण
निष्कण्ठस्य ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यादव ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
विष्णुस्य ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

16.

10

ら

0

5

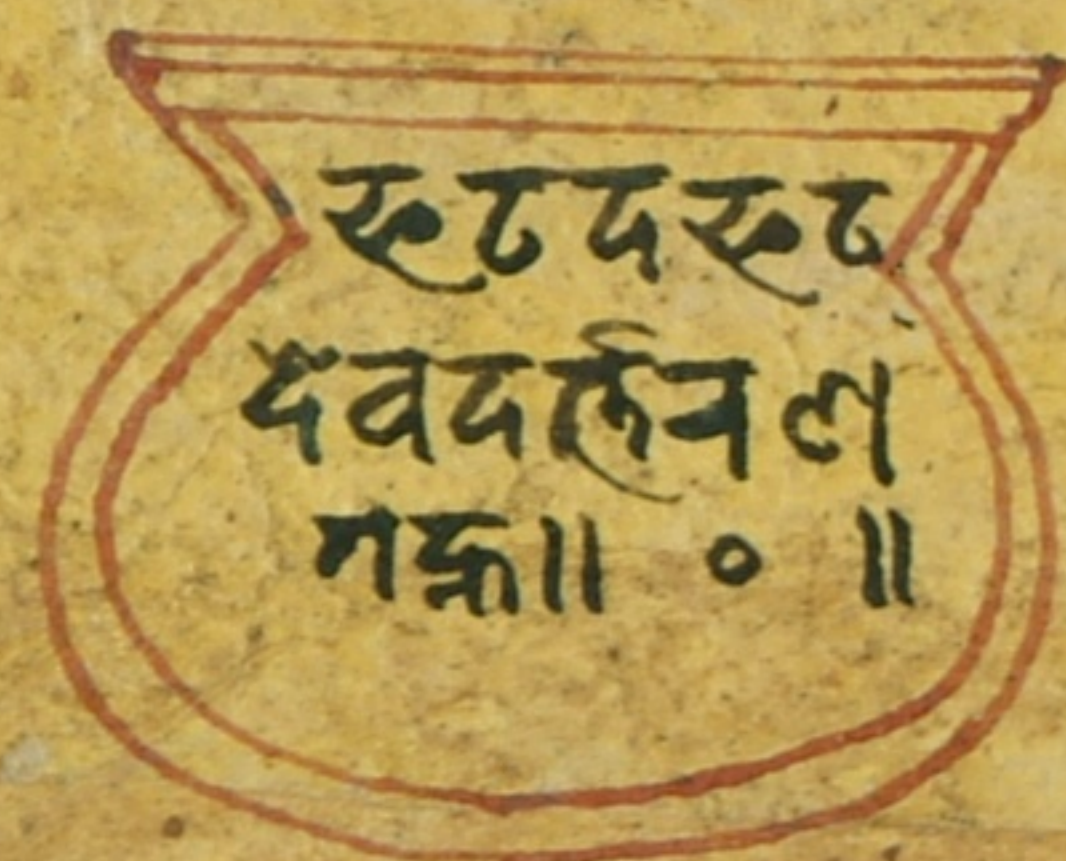
10

20

25

30

3



१ धजलु रुद्र पण्डित ॥ १ सुव
हीवनवासी ॥ मिक्तसमधि
निया रुद्रासी ॥ नाम ईथ रुद्र
थपक सईथ रुद्रा ॥ १ रुद्र
कनकयक ॥ धलिकायावः
रुद्रनवायक ॥ रुद्रयक ॥

१ धजलु ॥ रुद्र पण्डित ॥ १
वाचन ॥ रुद्र कनवासी ॥ थव
सुसतसीवन ॥ रुद्राजन रुद्रा
सुनीम ॥ ० ॥

१ धजलु ॥ रुद्र कन ॥ १ वाच
नन ॥ रुद्र पण्डित ॥ रुद्रा
लसकाखायक ॥ वाचगुरु ॥
रुद्रया ॥ सर्वनकाधरुद्रा
॥ ० ॥



१॥ था वाचन कौकमन सुज
पगुस वासी धनपास थैरुदव
वसत जयदय के शया ॥०॥

१ धजकु सुजयगुस ॥ ग
वाचन मगनयानतिन वा
सी लारुथस वसीत सोताग
शयशया ॥ ० ॥

१ धजकु गवाचनन सुवा
वस वासी थरु सुजयगुस
वासी नतिस थरुत यजाया
यमात नरुनथमकतायार्य
मरुशया ॥ ० ॥

[illegible]

16.

10

5

0

10

25

30

3